

मौजी वि. (अर.) 1. मन की तरंग के अनुसार काम करने वाला, मनमानी रीति से काम करने वाला 2. मौज करने वाला, सुख भोगने वाला।

मौजूँ वि. (अर.) 1. वजन किया हुआ, तौला हुआ 2. योग्य, उपयुक्त 3. ठीक-ठाक।

मौजूद वि. (अर.) 1. उपस्थित, हाजिर 2. प्रस्तुत 3. जीवित, विद्यमान 4. उपलब्ध।

मौजूदगी स्त्री. (अर.) 1. विद्यमानता, अस्तित्व 2. उपलब्धता 3. उपस्थिति हाजिरी।

मौजूदा वि. (अर.) 1. वर्तमान, विद्यमान 2. आधुनिक, जो प्राचीन न हो 3. उपस्थित, हाजिर।

मौजूदात स्त्री. (अर.) चराचर जगत, सृष्टि।

मौजूनियत स्त्री. (अर.) उपयुक्तता, मौजूँ होने की अवस्था या भाव।

मौड़ पुं. (देश.) मौर, सेहरा।

मौड़ा पुं. (देश.) मोहड़ा दे. मौंड़ा।

मौढ्य पुं. (तत्.) मूढ़ होने की अवस्था या भाव, मूढ़ता।

मौत स्त्री. (अर.) 1. मृत्यु, मरण, मरने की अवस्था या भाव 2. मृत्यु का देवता, यम 3. मृत्यु का समय मुहा. बे-मौत मरना- ऐसे घोर संकट में पड़ना जिसमें पूर्ण विनाश दिखाई देता हो; मौत को गले लगाना- किसी कार्य के लिए प्राण देना; मौत माँगना- कठिनाईयों से तंग आकर मृत्यु की कामना करना; मौत के घाट उतारना- मार डालना; मौत का सिर पर खेलना- मृत्यु निकट होना।

मौताद स्त्री. (अर.) औषध आदि की मात्रा।

मौदक वि. (तत्.) मोदक संबंधी, मोदक का।

मौदकिक पुं. (तत्.) मोदक अर्थात् मिठाइयाँ बनाने वाला, हलवाई।

मौद्गल पुं. (तत्.) मुद्गल ऋषि के गोत्र में उत्पन्न व्यक्ति, मौद्गल्य।

मौद्गलायन पुं. (तत्.) मौद्गल्यायन, गौतम बुद्ध का शिष्य।

मौद्गीन पुं. (तत्.) मूँग का खेत।

मौन पुं. (तत्.) 1. न बोलने की क्रिया या भाव, चुप रहना, चुप्पी मुहा. मौन बाँधना- मौन धारण करना, न बोलने का प्रण करना; मौन खोलना- देर तक चुप रहने के उपरांत बोलना 2. मुनि का भाव 3. मुनियों का व्रत 4. फाल्गुन मास का पहला पक्ष वि. जो न बोले, चुप, मौनी।

मौन-व्रत पुं. (तत्.) मौन धारण करने का व्रत, चुप रहने का व्रत।

मौना पुं. (देश.) 1. घी या तेल आदि रखने का एक प्रकार का बर्तन 2. टोकरा, पिटारा 3. बाँस, सीक का बना ढक्कनदार टोकरा।

मौनी वि. (तत्.) 1. मौनी अर्थात् चुप रहने वाला, न बोलने वाला 2. जिसने मौन व्रत धारण किया हो पुं. मुनि।

मौनी-अमावस स्त्री. (तत्.+तद्.) माघ मास में पड़ने वाली अमावस टि. इस दिन मौन रहने का माहात्म्य है।

मौनेय पुं. (तत्.) गंधर्वों, अप्सराओं आदि का एक मातृक गोत्र।

मौर पुं. (देश.) 1. विवाह के समय वर को पहनाया जाने वाला मुकुट जैसा एक शिरोभूषण उदा. रहिमन भाँवरे के परे नदी सिरावत मौर -रहीम 2. आम के वृक्ष की मंजरी, बौर 3. सिर 4. गरदन का पिछला भाग जो सिर के नीचे पड़ता है वि. सब में मुख्य, शिरोमणि।

मौर-छोराई स्त्री. (देश.) 1. विवाह के उपरांत मौर खोलने की रस्म 2. उक्त रस्म के समय मिलने वाला धन या नेग।

मौरजिक पुं. (तत्.) मुरज नामक बाजा बनाने वाला, मुरज बजाने वाला।

मौरसिरी स्त्री. (तद्.) दे. मौलसिरी।

मौरिक वि. (तद्.) मौर अर्थात् मंजरी से युक्त।

मौरी स्त्री. (देश.) कागज आदि का बना हुआ वह छोटा मौर जो विवाह में वधू के सिर पर बाँधा जाता है।

मौरूसी वि. (अर.) पैतृक जैसे- मौरूसी घर।